

2012/00025

मि०न० 10/2012(रेफरेन्स) सरकार जयें तहसीलदार लाडपुरा बनाम मानसिंह,झवरी बाई,दुर्गेश

तारीख हुवम	हुवम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुवम की तामील में जारी हुए
08-11-19	<p>पेरोकार सरकार उपस्थित । पत्रावली का अवलोकन किया गया । तहसीलदार लाडपुरा द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 82 राजस्थान भू० राजस्व अधिनियम 1956 प्रस्तुत कर तथ्य अंकित किये हैं कि ग्राम शंकरपुरा तहसील लाडपुरा गत खसरा नं० 62 रकबा 2 बीघा 10 बिस्वा किस्म गै०मु० नाला दर्ज थी हाल ख०न० 154 की 0.67 व 155 की 0.10 कुल० 87है० वर्तमान जमाबन्दी सं० 2064-70 में खाता सं० 120 पर मानसिंह पुत्र रामसिंह कोम राजपूत सा० छीपनहेडीखाता सं० 28 पर झवरी बाई बेवा रामनाथ,दुर्गेश पुत्री श्रीलाल वर्गे०खातेदारी मे दर्ज हो गई है। अतः खाता सं० 120 व 28 की प्रविष्टि निरस्त कर उक्त वर्णित आराजी की खातेदारी पूर्वानुसार राज्य सरकार के हित में भूमि की किस्म गैर मुमकिन नाला पूर्ववत दर्ज करने का निवेदन किया गया ।</p> <p>उक्त रेफरेन्स प्रार्थना पत्र दर्ज रजि० किया जाकर अप्रार्थी की तलबी की गई । तामील कुनन्दा की रिपोर्ट के अनुसार अप्रार्थी मानसिंह के पिता का नाम रामसिंह न होकर भंवरसिंह है एवं झवरी बाई बेवा रामनाथ जाति मीना के नाम की कोई महिला ग्राम छीपनहेडी में नहीं रहती है। रेफरेन्स जवाब में बताया कि अप्रार्थी गोपाल की मृत्यु हो चुकी है। उसके कायम मुकामान को रेफरेन्स में पक्षकार नहीं बनाया है जबकि उसके विरासत का नामा सं० 189 दिनांक 05.06.2009 को ही तहसीलदार लाडपुरा द्वारा तस्दीक किया गया है। इस न्यायालय के पत्र क्रमांक/रीडर/एडीएम/2019 /238 दिनांक 1.02.2016,1656 दिनांक 30.06.2016,2369 दिनांक 19.09.2016, 474 दिनांक 31.05.2018, 73दिनांक 17. 01.2019,685 दिनांक 23.07.2019, 1056 दिनांक 21.10.2019 से लिखे जाने पर भी मृतक के कायम मुकामान की सूची प्राप्त नहीं हुई है। जिससे अप्रार्थी के कायम मुकामान की तलबी किया जाना संभव नहीं है।</p> <p>अतः तहसीलदार लाडपुरा द्वारा प्रस्तुत रेफरेन्स प्रार्थना पत्र इस निर्देश के साथ खारिज किया जाता है कि तहसीलदार लाडपुरा अप्रार्थी के वारिसान की जांच कर वासियान के सही पते अंकित करते हुए पुनःनये सिरे से उक्त रेफरेन्स का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करे। मूल ही मय दस्तावेज तहसीलदार लाडपुरा को लौटाया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तामील तकमील दाखिल दफ्तर हो ।</p>	<p>अतिरिक्त जिला न्यायालय के कोटा (रा.नं०) कोटा</p>